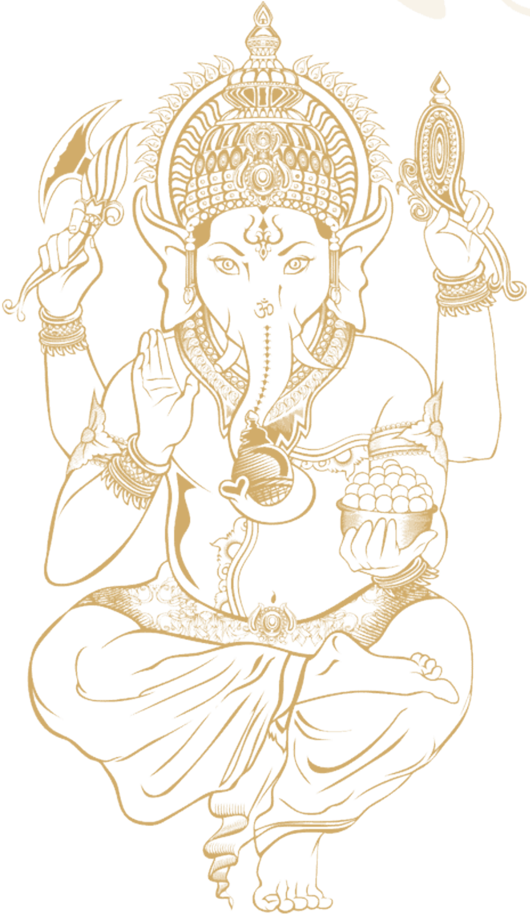

# Tushar

07 Dec 2007

06:45 PM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121344805

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **07/12/2007** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **18:45:00 घंटे** |
| इष्ट | 31:09:40 घटी |
| **स्थान** | **Ramgarh** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 23:37:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:32:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:12:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 18:57:08 घंटे |
| वेलान्तर | 00:08:46 घंटे |
| साम्पातिक काल | 00:00:52 घंटे |
| सूर्योदय | 06:17:08 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:01:12 घंटे |
| दिनमान | 10:44:04 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 21:04:23 वृश्चिक |
| लग्न के अंश | 16:05:26 मिथुन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **तुला - शुक्र** |
| **नक्षत्र-चरण** | **विशाखा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| योग | अतिगण्ड |
| करण | विष्टि |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | ते-तेजवन्त |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | धनु |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 16:05:26 | 321:12:18 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | वृश्चि | 21:04:23 | 01:00:57 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | शुक्र | मित्र राशि |
| चंद्र | | | तुला | 27:07:37 | 11:53:15 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | व | | मिथु | 15:00:09 | 00:18:17 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | केतु | शत्रु राशि |
| बुध | | अ | वृश्चि | 15:29:27 | 01:34:00 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | सम राशि |
| गुरु | | | धनु | 03:27:29 | 00:13:34 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | सूर्य | मूलत्रिकोण |
| शुक्र | | | तुला | 08:21:30 | 01:10:19 | स्वाति | 1 | 15 | शुक्र | राहु | राहु | मूलत्रिकोण |
| शनि | | | सिंह | 14:27:47 | 00:01:20 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 07:13:02 | 00:13:32 | शतभिषा | 1 | 24 | शनि | राहु | राहु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 07:13:02 | 00:13:32 | मघा | 3 | 10 | सूर्य | केतु | राहु | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 20:52:39 | 00:00:40 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | गुरु | --- |
| नेप | | | मक | 25:39:23 | 00:01:13 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 04:16:14 | 00:02:10 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 06:16:01 | -- | उ०भाद्रपद | -- | 26 | गुरु | शनि | बुध | -- |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:11

## लग्न-चलित

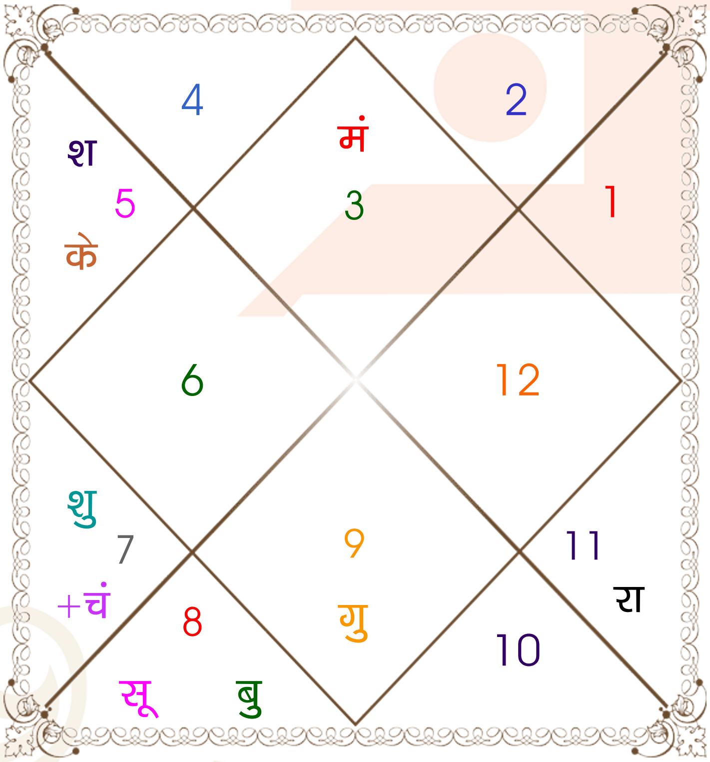


## चन्द्र कुंडली

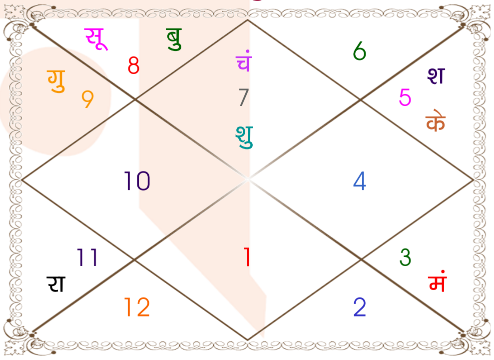


## नवमांश कुंडली

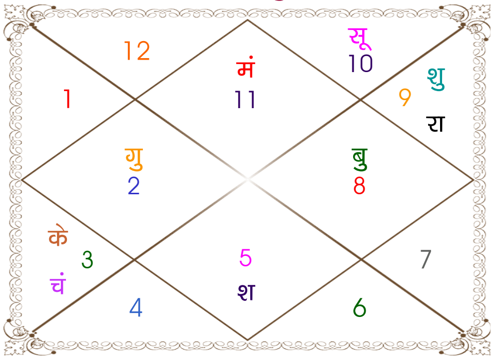

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 5 मास 11 दिन

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 07/12/2007 | | 20/05/2015 | | 19/05/2034 | | 20/05/2051 | | 19/05/2058 | |
| 20/05/2015 | | 19/05/2034 | | 20/05/2051 | | 19/05/2058 | | 19/05/2078 | |
| | 00/00/0000 | शनि | 22/05/2018 | बुध | 15/10/2036 | केतु | 16/10/2051 | शुक्र | 18/09/2061 |
| | 00/00/0000 | बुध | 29/01/2021 | केतु | 12/10/2037 | शुक्र | 15/12/2052 | सूर्य | 18/09/2062 |
| | 00/00/0000 | केतु | 10/03/2022 | शुक्र | 12/08/2040 | सूर्य | 22/04/2053 | चंद्र | 19/05/2064 |
| | 07/12/2007 | शुक्र | 10/05/2025 | सूर्य | 18/06/2041 | चंद्र | 21/11/2053 | मंगल | 19/07/2065 |
| शुक्र | 30/11/2009 | सूर्य | 22/04/2026 | चंद्र | 18/11/2042 | मंगल | 19/04/2054 | राहु | 19/07/2068 |
| सूर्य | 18/09/2010 | चंद्र | 21/11/2027 | मंगल | 15/11/2043 | राहु | 07/05/2055 | गुरु | 20/03/2071 |
| चंद्र | 18/01/2012 | मंगल | 30/12/2028 | राहु | 04/06/2046 | गुरु | 12/04/2056 | शनि | 19/05/2074 |
| मंगल | 24/12/2012 | राहु | 06/11/2031 | गुरु | 08/09/2048 | शनि | 22/05/2057 | बुध | 19/03/2077 |
| राहु | 20/05/2015 | गुरु | 19/05/2034 | शनि | 20/05/2051 | बुध | 19/05/2058 | केतु | 19/05/2078 |

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 19/05/2078 | | 19/05/2084 | | 19/05/2094 | | 20/05/2101 | | 21/05/2119 | |
| 19/05/2084 | | 19/05/2094 | | 20/05/2101 | | 21/05/2119 | | 00/00/0000 | |
| सूर्य | 06/09/2078 | चंद्र | 19/03/2085 | मंगल | 15/10/2094 | राहु | 31/01/2104 | गुरु | 08/07/2121 |
| चंद्र | 07/03/2079 | मंगल | 18/10/2085 | राहु | 03/11/2095 | गुरु | 26/06/2106 | शनि | 19/01/2124 |
| मंगल | 13/07/2079 | राहु | 19/04/2087 | गुरु | 09/10/2096 | शनि | 02/05/2109 | बुध | 26/04/2126 |
| राहु | 06/06/2080 | गुरु | 18/08/2088 | शनि | 18/11/2097 | बुध | 19/11/2111 | केतु | 02/04/2127 |
| गुरु | 25/03/2081 | शनि | 19/03/2090 | बुध | 15/11/2098 | केतु | 07/12/2112 | शुक्र | 08/12/2127 |
| शनि | 07/03/2082 | बुध | 19/08/2091 | केतु | 13/04/2099 | शुक्र | 07/12/2115 | | 00/00/0000 |
| बुध | 12/01/2083 | केतु | 19/03/2092 | शुक्र | 13/06/2100 | सूर्य | 31/10/2116 | | 00/00/0000 |
| केतु | 20/05/2083 | शुक्र | 18/11/2093 | सूर्य | 19/10/2100 | चंद्र | 02/05/2118 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 19/05/2084 | सूर्य | 19/05/2094 | चंद्र | 20/05/2101 | मंगल | 21/05/2119 | | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 5 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।